चिलचिलाती धूप में कलेक्टर ने तालाब गहरीकरण, नाला सफाई, अमृत सरोवर, डबरी निर्माण आदि कार्यों का किया निरीक्षण

बरसात में तालाबों के मेढ़ों पर हो वृक्षारोपण- लीना कमलेश

■ जिले में नदियों एवं जल स्रोतों के संरक्षण पर चल रहा लगातार काम

गौरेला पेंड्रा मरवाही 01 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने आज 1 जून को चिलचिलाती धूप में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत चल रहे निर्माण कार्यों-तालाब गहरीकरण, नाला सफाई, डबरी निर्माण, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बरसात शुरू होने के साथ ही तालाबों के मेढ़ो पर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कार्यों की गुणवत्ता, मस्टरोल के अनुसार मजदूरों की उपस्थिति संख्या, मजदूरी भुगतान, कार्यस्थल पर मजदूरों की सुविधा के लिए छाया, पानी, दवाई कीट आदि की जानकारी ली।

क्लेक्टर ने पेंड्रा ब्लाक के ग्राम पंचायत कूड़कई में जमुनई तालाब गहरीकरण और ग्राम पंचायत पिपलामार में खुज्जी नाला में गाद सफाई कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने मरवाही ब्लॉक के ग्राम पंचायत कोदवाही में तालाब गहरीकरण एवं सीएम घोषणा के तहत नवनिर्मित सर्व आदिवासी भवन और ग्राम पंचायत धनपुर में भौतरा तालाब के नहर की गाद सफाई कार्य का निरीक्षण किया। पौराणिक एवं पुरातत्विक ग्राम धनपुर स्थित भंवतरा तालाब अत्यंत महत्वपूर्ण प्राचीन तालाब है जहां जल भरा होने पर नौकाविहार के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है। कलेक्टर ने धनपुर में हितग्राही मूलक योजना के तहत मंगल सिंह के खेत में बन रहे डबरी निर्माण का अवलोकन किया और हितग्राही मंगल सिंह से डबरी के उपयोग के बारे में चर्चा की।

कलेक्टर गौरेला विकासखंड के बैगा बाहुल्य ग्राम पंचायत डाहीबहरा के बरटोला में बन रहे अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान संबंधित जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, तकनीकी सहायकों, रोजगार सहायकों और मेट से कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बरसात शुरू होने के साथ ही तालाबों के मेढ़ो पर वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक जिला पंचायत (डीआरडीए) श्री कौशल प्रसाद तेंदुलकर भी उपस्थित थे।

साल वन से आच्छादित जिले में में कल कल बहते नदी नाले खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। अमरकंटक से लगा छत्तीसगढ़ के 28वें जिले गौरेला पेंड्रा मरवाही से लगभग दर्जन भर नदियों का उद्गम हुआ है जिसमें सोन, अरपा, तान, तिपान, बम्हनी, जोहिला, मलानिया, एलान, जावस, खुज्जी नदी शामिल है तथा इससे भी अधिक नाले इस इलाके में बहते हैं जो गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले को हरा भरा एवं खूबसूरत बनाते हैं। इन नदियों के संरक्षण एवं जल संवर्धन पर लगातार काम चल रहा है इसी के तहत पूर्व में सोन नदी भाड़ी सकोला के बीच में भी कार्य किया गया तथा खुज्जी नदी पर भी पिपलामार पंडरीखार में गाद हटाने का कार्य किया गया। हाई कोर्ट बिलासपुर के निर्देश पर पेंड्रा अमरपुर स्थित अल्पा उद्गम के संरक्षण के लिए भी विशेषज्ञों की मदद से कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी द्वारा कार्य योजना तैयार की जा रही है जो इस महीने निर्धारित तिथि में हाईकोर्ट बिलासपुर में प्रस्तुत की जाएगी। इस कार्य योजना पर हाई कोर्ट की मोहर लगने के बाद पेंड्रा स्थित उद्गम का संरक्षण एवं संवर्धन होगा जो नदियों एवं पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के पश्चिम में अमरकंटक की पहाड़ी पूर्व में बस्ती बंगरा दक्षिण में कारीआम और अचानकमार की पहाड़ियां तथा जंगल और इनमें कल कल बहते नदी नाले गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की खूबसूरती पर चार चांद लगाते हैं। जिले के चारों ओर इस स्थित साल वनों के जंगलों के कारण यह क्षेत्र अभी ठंडे क्षेत्रों में ही आता है। अमरकंटक की तराई में स्थित होने के कारण साथ में नदियों के उद्गम क्षेत्र होने के कारण जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही का भारत के मानचित्र में अपना अलग महत्व है।

जिस तरह से हिमालय की तराई में स्थित देवभूमि उत्तराखंड में गंगा जमुना एवं सरस्वती नदियों के उद्गम होने के कारण वहां का पर्यटन अत्यंत विकसित है तथा वहां पर्यटन के माध्यम से लोगों को बड़ा रोजगार मिला हुआ है उसी तर्ज पर छत्तीसगढ़ की सरकार गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में पर्यटन उद्योग विकसित करना चाहती है ताकि यहां के लोगों को रोजगार मिल सके।

किसान एचएमटी के विकल्प देवभोग चावल का उत्पादन कर बढ़ा सकते हैं आय

सामान्य चावल का उपज 20-25 प्रति क्विंटल वहीं देवभोग चावल का उपज 55-60 प्रति क्विंटल

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 1 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कृषि, सहकारिता, बीज निगम, मार्कफेड की संयुक्त बैठक ली। बैठक में बीज निगम के अधिकारी ने कहा कि एचएमटी चावल के विकल्प के रूप में किसान देवभोग बीज का उपयोग कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ देवभोग चावल की औसत उपज 55 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। छत्तीसगढ़ के कृषि वैज्ञानिक डॉ. संदीप भंडारकर ने बताया कि स्वर्णा चावल और जीराशंकर चावल को ब्रीड कर हमने छत्तीसगढ़ देवभोग चावल की किस्म बनायी है। इसकी विशेषता काफी सारी हैं। इसका जो दाना है वह माध्यम पतला दाना होता है। यह अधिकतम उत्पादन देने वाले किस्म में से है। छत्तीसगढ़ देवभोग चावल पकने के बाद की खुशबू दूसरे किस्मों से इसे अलग बनाती है। यही कारण है कि इसकी बाजार में डिमांड काफी ज्यादा है। छत्तीसगढ़ की जितनी प्रीमियम रेंज की चावल है उसका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल ही है, लेकिन छत्तीसगढ़ देवभोग चावल की औसत उपज 55 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। वहीं मार्केट में इसकी डिमांड भी काफी अधिक होती है। इसको देखते हुए लगातार कृषि विश्वविद्यालय के साइंटिस्टों द्वारा ऐसे चावलों की किस्मों का आविष्कार किया जा रहा है, जो प्रीमियम रेंज के तो हों लेकिन उसकी प्रोडक्टिविटी भी ज्यादा हो. ताकि यहां के किसानों का फायदा भी मिल सके। वे एक्सपोर्ट भी कर सके। इसी कड़ी में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में स्वर्णा चावल और जीराशंकर चावल को ब्रीड कर छत्तीसगढ़ देवभोग चावल बनाया गया था।

भगवान श्रीराम और श्री जगन्नाथ के भोग बनते हैं देवभोग चावल से

छत्तीसगढ़ के देवभोग चावल की तारीफ के लिए इतना काफी है भगवान श्रीराम के अयोध्या मंदिर के शुभारंभ पर इसी चावल से भोग के लिए चुना गया था और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा देवभोग चावल को भेजा गया है। एक और जनश्रुति है कि भगवान श्री जगन्नाथ के भोग के लिए भी देवभोग चावल का उपयोग किया जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

चुनावी चक्रव्यूह की अंतिम लड़ाई में...

ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए चार चरणों में हुए चुनाव के अंतिम चरण में आठ जिलों में 42 सीटों पर 63.46 प्रतिशत मतदान हुआ है। शाम पांच बजे तक कटक जिले में सबसे अधिक 67.96 प्रतिशत और भद्रक में सबसे कम 56.68 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके अलावा बालासोर में 63.27, जगतसिंहपुर में 64.69, केन्द्रपाड़ा में 59.89, मयूरभंज में 64.47 प्रतिशत और पुरी में 67.30 प्रतिशत मतदान हुआ।

मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा

सातवें चरण में भी पश्चिम बंगाल से हिंसा की खबरें आई हैं। पश्चिम बंगाल के भांगर में सीपीआई (एएम) और आईएसएफ के कार्यकर्ताओं ने टीएमसी समर्थकों पर बम से हमले का आरोप लगाया है। वहीं राज्य के मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने ट्वीट करके बताया कि जयनगर के बेनीमाधवपुर स्कूल के पास सेक्टर ऑफिसर से भीड़ ने रिजर्व ईवीएम और कागजात लूट लिए। 1 सीयू, 1 बीयू और 2 वीवीपैट मशीनों को तालाब में फेंक दिया गया। अंतिम चरण में आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 57 सीटों के साथ-साथ ओडिशा विधानसभा की बाकी बची 42 सीटों पर सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान कराया गया। कुछ स्थानों पर स्थानीय आवश्यकता के अनुसार मतदान बंद होने के समय में परिवर्तन किया गया। ओडिशा विधानसभा के आखिरी चरण में 42 सीटों पर 62.76 प्रतिशत वोट डाले गए। लोकसभा की इन 57 सीटों पर कुल 904 उम्मीदवार मैदान में थे, बहुजन समाज पार्टी ने 56 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे जबकि भाजपा 51 तथा कांग्रेस 31 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वर्ष 2019 के चुनावों में इन सीटों पर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 39.03 मत प्रतिशत के साथ 30 सीटें, विपक्षी गठबंधन को 37.52 प्रतिशत के साथ 19 सीटें मिली थीं। आठ सीटें अन्य दलों के खातें में गई थीं। लोकसभा की 543 सीटों पर सात चरणों में हुए मतदान की प्रक्रिया आज संपन्न हो गयी। मतगणना चार जून को होगी। कुछ जगह इलेक्ट्रानिक मतदान मशीनों में खराबी से मतदाताओं को परेशानी हुई।

आयोग ने तेज गर्मी में मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर पेयजल और छाया की सुविधाएं कराई हैं। पश्चिम बंगाल में कुछ मतदान केंद्रों के बाहर छिटपुट हिंसा और मतदान एजेंटों को भगाने के प्रयासों की रिपोर्टें सामने आई हैं। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के खलीनी में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के खराब होने से मतदान करीब डेढ़ घंटा देरी से शुरू हुआ। मंडी जिला के विधानसभा क्षेत्र सुंदरनगर में पांच बूथों में मतदाताओं को उस समय परेशानी झेलनी पड़ी, जब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) खराब हो गई। पंजाब के जालंधर के गांव मंसूरपूर मंडाला के पोलिंग बूथ पर खूनी झड़प में आप के कार्यकर्ताओं ने तेजधार हथियारों से हमला कर एक पोलिंग एजेंट तजिंदर सिंह को घायल कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोलिंग बूथ पर आप के कार्यकर्ताओं ने तेजधार हथियार से हमला कर तजिंदर सिंह को घायल कर दिया है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में 12 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया है।

इंडिया को मिल रहीं 295 से अधिक...

बरतनी है और अपनी बात को रखना है। उनका कहना था कि इंडिया समूह के सभी दल अपने कार्यकर्ताओं को इसके लिए तैयार कर रहे हैं। बैठक के दौरान एक बड़ा फैसला लिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बताया कि टीवी चैनलों पर होने वाली एग्जिट पोल की बहसों में अब कांग्रेस भी हिस्सा लेगा। कांग्रेस भी खुलकर अपना पक्ष रखेगा। बता दें, कांग्रेस ने एक दिन पहले ही टीवी चैनलों पर शनिवार को होने वाली एग्जिट पोल की बहसों में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि टीआरपी के खेल में हमें शामिल नहीं होना है। इसके अलावा, बैठक के बाद खड़गे ने मीडिया को संबोधित किया। बैठक में 23 नेता हुए शामिल-कांग्रेस से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल। आम आदमी पार्टी से अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, संजय सिंह, राघव चड्ढा। समाजवादी पार्टी से अखिलेश यादव। एनसीपी से शरद पवार, जितेंद्र अव्हाड। डीएमके से टीआर बालू। राजद से तेजस्वी यादव और संजय यादव। झामुमो में चंपई सोरेन और कल्पना सोरेन। जम्मू-कश्मीर एनसी से फारूक अब्दुल्ला। भाकपा से डी. राजा। माकपा से सीताराम येचुरी। शिवसेना (यूबीटी) से अनिल देसाई तो वहीं दीपांकर भट्टाचार्य भाकपा (माले) से और मुकेश साहनी (वीआईपी) से शामिल हुए हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। जो समुद्र की ओर चेहरा करके बैठे हैं, उसकी सच्चाई यह है कि उन्होंने जनता की ओर पीठ कर लिया है। इस बार जनता भी उनके खिलाफ खड़ी हो गई है।

यह दल हैं इंडिया का हिस्सा- गठबंधन में कांग्रेस, टीएमसी, डीएम, आप, आरजेडी, जेएमएम, एनसीपी (शरद गुट), शिवसेना (उद्धव गुट), सपी, एनसी, पीडीपी, सीपीएफ, सीपीआई, एमडीएमके, केएमडीके, वीसीके, आरएसपी, सीओआई (एमएल), फॉरवर्ड ब्लॉक, आईयूएमएल, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि), अपना दल (कामेरावादी) और एमएमके शामिल हैं।

रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के...

कबीरधाम, खैरागढ़, बलौदाबाजार, सक्ती, मानपुर, अंबागढ़ चौकी, राजनांदगांव, बिलासपुर, मुंगेली, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर जिले में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को प्रदेश के 8 ज़िलों के लिये गरज चमक के साथ बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जार किया था। इस दौरान सूरजपुर में 3 ।2 मिमी, दंतेवाड़ा 1 ।6मिमी, कोरबा 1 ।1मिमी, सरगुजा 1 मिमी, जशपुर 0 ।8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। हालांकि, आने वाले कुछ दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखी जा सकती है। इस बीच बस्तर संभाग में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, बस्तर, सुकमा और कोण्डागांव में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं 13 जून को मानसून जगदलपुर से होते हुए छत्तीसगढ़ में एंटर कर सकता है। इसके साथ ही 21 जून को मानसून के अंबिकापुर में प्रवेश करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ में एक्टिव होने का अनुमान है।

घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ताओं की ...

राजस्व घाटे की आंशिक प्रतिपूर्ति तथा आयोग द्वारा विचारोपरान्त सभी उपभोक्ता श्रेणियों में औसत 8 ।35 प्रतिशत वृद्धि अनुमोदित की गई है।

वर्तमान आदेश के मुख्य बिन्दु

घरेलू एवं गैर घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है।

कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। मांग एवं उपलब्ध विद्युत उत्पादन के विश्लेषण उपरान्त अह्रह्र की संरचना में परिवर्तन किया गया है। पर्यावरण संरक्षण एवं कार्बन फुटप्रिन्ट घटाने हेतु अक्षय ऊर्जा क्रय करने हेतु इच्छुक उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु ग्रीन एनर्जी चार्ज का निर्धारण किया गया है।

रेलवे के टैक्शन लोड हेतु लागू 20 प्रतिशत की लोड फैक्टर रिबेट को समाप्त कर दिया गया है।

HV-5 एवं LV-5 श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले पोहा एवं मुरमुरा मिल को ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है। जारी की जा रही नई विद्युत दरें जो कि संलग्नक-1 और संलग्नक-2 में उपलब्ध हैं। 1 जून, 2024 से प्रभावशील होंगी।

कृषि एवं कृषि संबंधी उपभोक्ता

गैर सबसिडी वाले कृषि विद्युत पंप वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत छूट जारी रहेगी। किसानों को खेतों में लगे विद्युत पम्पों और खेतों की रखवाली के प्रयोजनार्थ पम्प कनेक्शन के अंतर्गत वर्तमान में पम्प के समीप 100 वॉट के भार उपयोग की सुविधा प्रभावशील है। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा 100 वॉट तक लाईट एवं पंखे की स्वीकृति जारी रखी गई है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा प्रदाय करने वाली संस्था

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए प्रचलित विद्युत दरों के ऊर्जा प्रभार में दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है।

गैर घरेलू उपभोक्ता

पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग इकाईयों हेतु इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात् रू।6 ।92/- प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु पंजीकृत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित उद्योग गतिविधियों और व्यवसायिक गतिविधियों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट जारी रखी गई है।

राज्य के नक्सलवाद प्रभावित दूरस्थ जिलों में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ कर मोबाईल संपर्क की सुविधा को विस्तारित करने के लिए नये मोबाईल टॉवर की स्थापना को प्रोत्साहित करने हेतु दिनांक 01 ।04 ।2019 के पश्चात् लगने वाले मोबाईल टॉवर के ऊर्जा प्रभार में 50 प्रतिशत की छूट को 25 प्रतिशत किया गया है।

निम्नदाब उद्योग

निम्न दाब पर विद्युत प्राप्त करने वाले पोहा एवं मुरमुरा मिलों को प्रचलित ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखी गई है।

उच्चदाब उपभोक्ता

रक्षा स्थापना (डिफेंस स्टेब्लिसमेंट) को ऊर्जा प्रभार में 15 प्रतिशत की रियायत जारी रखी गई है। उच्च दाब पर विद्युत प्राप्त करने वाले राईस मिलों, पोहा एवं मुरमुरा मिलों को प्रचलित ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट जारी रखी गई है।

सभी उचदाब स्टील उपभोक्ताओं की विद्युत दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है एवं लागू लोड फेक्टर रिबेट में परिवर्तन करते हुए लोड फैक्टर रिबेट की अधिकतम सीमा 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम सौम्या पाठक पिता देवेन्द्र पाठक अपने नाम में पिता के पुराने नाम को बदलकर सौम्या पाठक पिता देवेन्द्र कुमार पाठक निवासी शांति नगर वार्ड नं.- 3, सिद्धविस्तार के सामने शांति नगर बिलासपुर (छ.ग.) 495001 रख ली हूं अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम सौम्या पाठक पिता देवेन्द्र कुमार पाठक से जाना एवं पहचाना जाये।

सौम्या पाठक
शांति नगर वार्ड नं.- 3,
सिद्धविस्तार के सामने शांति
नगर बिलासपुर
(छ.ग.) 495001

न्यायालय तहसीलवार खड़गवां
जिला- मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर (छ.ग.)
क्रमांक/187/वाचक/भूमि आवंटन/2024
खड़गवां, दिनांक 31.05.2024

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खड़गवां में कृषि महाविद्यालय की स्थापना हेतु ग्राम सैदा में स्थित शासकीय भूमि ख.न.111, 132, 154, 156, 157, 158, 159, 151, 150, 135, 149, 153, 162, 92 रकबा क्रमांक 11.19, 1.10, 0.44, 0.05, 0.15, 0.07, 0.05, 0.21, 0.65, 1.50, 0.67, 0.02, 0.08, 4.15 हे. कुल किता 14, कुल रकबा 20.30 हे. मद पहाड़ चट्टान भूमि का चिन्हांकित किया गया है। उक्त भूमि को कृषि महाविद्यालय की स्थापना के लिये आबंटन किया जाना है। अतएव उक्त भूमि आवंटन के संबंध में किसी भी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 17.06.2024 के भीतर अपना दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उक्त तिथि पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
खड़गवां, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलवार चिरमिरी
जिला- मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र.-202405330100007/
अ-19 (3)/ 2023-24

एतद्‌ द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला चिकित्सालय निर्माण हेतु नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्रांतर्गत ग्राम चित्ताझोर स्थित नगर निगम चिरमिरी के स्वामत्वि की भूमि खसरा नं. 137/25 रकबा 3.20 हेक्टेयर भूमि को चिन्हांकित किया गया है, उक्त भूमि को जिला चिकित्सालय निर्माण हेतु स्वास्थ्य विभाग को भूमि आबंटित किये जाने के संबंध में जांच हेतु प्रकरण माननीय न्यायालय कलेक्टर मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर से इस न्यायालय को प्राप्त हुए है।

उक्त तारतम्य में तहसील चिरमिरी के ग्राम चित्ताझोर स्थित भूमि खसरा नं. 137/25 रकबा 3.20 हे. भूमि के भूमि आबंटन का प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव किसी भी व्यक्ति या संस्था को उक्त भूमि आवंटन के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो न्यायालय तहसीलदार चिरमिरी में न्यायालयीन दिवसों में दिनांक 13.06.2024 तक अपना दावा- आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समयसीमा के बाद प्राप्त किसी भी प्रकार के दावा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
चिरमिरी
जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

विद्युत विभाग ने घरेलू उपकरणों व ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा हेतु जन सामान्य के लिए जारी की एडवाइजरी

एयर कंडीशनर को 25-26 डिग्री पर चलाएं, फिल्टर की नियमित सफाई करें, इससे कंप्रेशर पर नहीं पड़ेगा दबाव, विद्युत विभाग ने दी सलाह

विद्युत अवरोध, विद्युत आगजनी अथवा आपात स्थिति में शिकायत निवारण के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी

रायगढ़, 01 जून (देशबन्धु)। जिले में भीषण गर्मी के मद्देनजर वर्तमान समय में सभी विद्युत ट्रांसफार्मरों पर अधिकतम भार विद्यमान है। जिसके सुरक्षा हेतु विद्युत विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि छोटी- छोटी सॉवधानियों से घरेलू उपकरणों व ट्रांसफार्मरों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

ट्रांसफार्मर में विद्युत भार कम करने एयर कंडीशनरों को न्यूनतम 25-26 डिग्री या उससे अधिक में चलाने एवं घर में कमरों में अनावश्यक चल रहे विद्युत उपकरण को बंद रखने की अपील की हैं। जिससे ट्रांसफार्मरों में भार कम होने के साथ ही घरेलू उपकरण भी सुरक्षित रहेंगे।

विद्युत विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि ट्रांसफार्मरों पर अधिकतम भार होने के कारण उससे समय-समय पर निकलने वाली चिंगारी से कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों में आग लगने की घटनायें हो रहीं हैं। उन्होंने जनसामान्य को ट्रांसफार्मर के आस पास साफ -सफाई रखने का अनुरोध किया है। कई स्थानों पर जांच में यह पाया गया है कि नागरिक अपने एयर कंडीशनर को 16 से 19 डिग्री सेल्सियस पर चलाते हैं। जिससे उनके एसी तथा उनके घर, व्यवसाय के अन्य उपकरणों के साथ-साथ विद्युत ट्रांसफार्मरों पर भी अधिक भार पड़ता है। जिससे एसी अन्य उपकरण तथा विद्युत ट्रांसफार्मर भी जल्दी खराब होते हैं तथा उनमें आग लगने की आशंका भी बढ़ जाती है। विभाग ने अपील की है कि जनसामान्य अपने एयर कंडीशनरों को न्यूनतम 25-26 डिग्री या उससे अधिक तापमान पर ही चलायें।

एसी के फिल्टर को नियमित साफ करें और रूटीन सर्विसिंग करवाएं। जिससे एयर कंडीशनर के कंप्रेशर पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा और किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना भी काफी कम हो जायेगी। साथ ही ट्रांसफार्मरों पर भी भार कम होगा। विभाग ने भीषण गर्मी को देखते हुए जन सामान्य से सहयोग की अपील की है ताकि आम नागरिकों को ऐसी भीषण गर्मी में व्यवस्थित विद्युत आपूर्ति की सेवा प्रदान की जा सके।

विद्युत अवरोध, विद्युत आगजनी अथवा आपात स्थिति में शिकायत निवारण के लिए इन नंबरों पर कर सकते है संपर्क

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देश पर विभाग ने विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के उद्देश्य से सभी वितरण केन्द्रों पर फ्यूल कॉल शिकायतों को दर्ज करने के लिये कनिष्ठ यंत्रियों के मोबाइल नम्बर प्रसारित करने करने के साथ ही सभी कार्यालयों में भी अंकित कराये गये हैं। जिसके माध्यम से किसी भी प्रकार के विद्युत अवरोध, विद्युत आगजनी अथवा आपात स्थिति होने की स्थिति में निम्नलिखित टेलीफोन/मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क किया जा सकता है। जिसमें जोन.एक एवं जोन दो रायगढ़ के लिए 7762222935 एवं 7762220121 इन नंबरों पर संपर्क कर सकते है। इसी तरह कनिष्ठ यंत्री रायगढ़ (ग्रामीण) के लिए 7828275980, कनिष्ठ यंत्री किरोड़ीमल नगर के लिए 9109315563, कनिष्ठ यंत्री गेरवानी 9406145047, कनिष्ठ यंत्री घरघोड़ा 7828237069, कनिष्ठ यंत्री कुडुमकेला 8349779209, कनिष्ठ यंत्री तमनार 8269660555, कनिष्ठ यंत्री करवाही 8269660555, कनिष्ठ यंत्री धरमजयगढ़ 7587768777, कनिष्ठ यंत्री हाटी एवं कापू के लिए 7869006128, कनिष्ठ यंत्री खम्हार 8319027845, कनिष्ठ यंत्री चरखापारा 8770028378, कनिष्ठ यंत्री लैलूंगा एवं कटकलिया के लिए 9893164526, कनिष्ठ यंत्री कोड़ातराई 9406265565, कनिष्ठ यंत्री पुसौर 9425572104, कनिष्ठ यंत्री कुसमुरा एवं नंदेली के लिए 9407935321, कनिष्ठ यंत्री खरसिया (शहर)9981287974, कनिष्ठ यंत्री खरसिया (ग्रामीण)9098420478, कनिष्ठ यंत्री तुरेकेला 8435743277, कनिष्ठ यंत्री एडू 6264816082 एवं कनिष्ठ यंत्री चपले के लिए मोबा.नंबर 9098420478 में संपर्क कर सकते है।

न्यायालय तहसीलवार चिरमिरी
जिला- मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र.-202425331200041/
अ-19 (3)/ 2023-24

एतद्‌ द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र चिरमिरी हेतु तहसील चिरमिरी के ग्राम केराडोह स्थित भूमि खसरा नं. 2/4, 2/5, 18, 19,20, 23, 24, 25, 27, 28/2, 28/3 (कुल रकबा 10.002 हे. वर्तमान भूमि स्वामी विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण चिरमिरी) में से रकबा 7.673 हे. तथा ग्राम चित्ताझोर स्थित खसरा नं. 137/24 (कुल रकबा 5 हे. भूमि स्वामी नगर पालिक निगम चिरमिरी) में से रकबा 2.76 हे. एवं खसरा नं. 137/1 (कुल रकबा 9.667 हे. मद चट्टान) का भूमि आवंटन हेतु चिन्हांकित किया गया है उक्त भूमि (ग्राम केराडोह में कुल 11 खसरा में से रकबा 7.673 हे. तथा ग्राम चित्ताझोर में कुल 2 खसरा में से 12.427 हे. अतः योग रकबा 20.10 हेत) का नवीन उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द चिरमिरी स्थापना हेतु भूमि आबंटित किये जाने के संबंध में जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है तथा प्रकरण न्यायालय तहसीलवार चिरमिरी में विचाराधीन है।

अतएव किसी भी व्यक्ति या संस्था को उक्त भूमि आवंटन के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो न्यायालय तहसीलदार चिरमिरी में न्यायालयीन दिवसों में विनांक 14.06.2024 तक अपना दावा- आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समयसीमा के बाद प्राप्त किसी भा प्रकार के दावा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर (छ.ग.)

ICICI Home Finance

कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड, आईसीआईसीआई एचएफसी टावर,अंधेरी – कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई-400059, भारत
शाखा कार्यालय : क्रीसेंट प्लाजा, यूनिट-एच4, द्वितीय तल, निकट स्वरूप टॉकीज, स्टेशन रोड, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001
शाखा कार्यालय : प्रथम तल, इंदिरा टावर, ए-26, जोन-।।, मेन रोड, व्यापार विहार, बिलासपुर (सी.जी.) 495001

खनियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। एतद्द्वारा सर्वसाधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत क्रेडिटर के पास बंधक रखी/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, "जैसी है जहां है", जैसी है जो भी है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेची जाएगी ;

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/सह-कर्जदारों /गारंटरों /कानूनी वारिसों का नाम ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि	सुरक्षित मूल्य / धरोहर राशि जमा	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	पवन देव केशरी (कर्जदार), विन्दा वती देवी (सह-कर्जदार), मोहन लाल केशरी (सह-कर्जदार)/ ऋण खाता सं. एलएचडीआरजी00001480194	प्लॉट बिल्डिंग नंबर एलआईजी 812 हाउसिंग बोर्ड वाल मजूजा कोहका, रानी अवंती बाई कोहका, वार्ड नंबर 08, सम्पत्ति एलआईजी जिला दुर्ग, भिलाई, छत्तीसगढ़-491002 में स्थित है.	रू. 21,66,038/- 22-05-2024	रू. 20,51,875/- / रू. 2,05,190/-	01-07-2024 को पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 03.00 बजे तक	10-07-2024 को अप. 2.00 बजे से अप. 3.00 बजे तक
2.	पवन कुमार ताम्रकार (कर्जदार), दुर्गेश देवी ताम्रकार (सह-कर्जदार), ऋण खाता सं. एलएचआरपीआर00001448834 एवं एलएचआरपीआर00001448775	फ्लैट नंबर सी-403, चतुर्थ तल, आशीर्वाद अपार्टमेंट मौजा ग्राम कोहका, पीएचएन 14, 19, खसरा नंबर 2146, 2147 आरएनएम दुर्ग, वार्ड नंबर 7, दुर्गा नगर, कोहका भिलाई, दुर्ग 2146, 2147, दुर्ग छत्तीसगढ़-491331	रू. 23,83,644/- 22-05-2024	रू. 23,46,823/- / रू. 2,34,690/-	01-07-2024 को पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 03.00 बजे तक	10-07-2024 को अप. 2.00 बजे से अप. 3.00 बजे तक
3.	दिनेश मारकम (कर्जदार), कुंती यूइके (सह-कर्जदार), ऋण खाता सं. एलएचबीएसआर00001457572 एवं एलएचबीएसआर00001457571	मौजा आमसेना पीएच नंबर 38, खसरा नंबर 594/1 पार्ट, ग्राम पंचायत आमसेना, तहसील सरकी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, आमसेना, 594/1, बिलासपुर, छत्तीसगढ़- 495001	रू. 23,07,483/- 22-05-2024	रू. 21,60,000/- / रू. 2,16,000/-	01-07-2024 को पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 03.00 बजे तक	10-07-2024 को अप. 2.00 बजे से अप. 3.00 बजे तक

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजेंसी ग्लोब टेक की वेबसाइट (यूआरएल लिंक -https://BestAuctionDeal.com) पर सम्पन्न होगी। बंधकदाताओं/सूचनाप्रेषिती को 09-07-2024 को अप. 5.00 बजे से पूर्व कुल बकाया उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी। संभावित बिडर (बिडर्स) को धरोहर राशि जमा (ईएमडी) आरटीजीएस/डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) (कालम ई देखें) आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड, क्रीसेंट प्लाजा, यूनिट-एच4, द्वितीय तल, निकट स्वरूप टॉकीज, स्टेशन रोड, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001 में 09-07-2024 को अथवा पूर्व अप. 04.00 बजे से पहले जमा करनी होगी। संभावित बिडर (बिडर्स) को पंजीकरण प्रपत्र एवं बोली के नियम एवं शर्तों की हस्ताक्षरित प्रति भी आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड, क्रीसेंट प्लाजा, यूनिट-एच4, द्वितीय तल, निकट स्वरूप टॉकीज, स्टेशन रोड, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001 में 09-07-2024 को अथवा पूर्व अप. 05.00 बजे से पहले जमा करनी होगी। धरोहर राशि जमा हेतु डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) किसी राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से "आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड-नीलामी" के पक्ष में दुर्ग, बिलासपुर में देय होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी के निबंधन और शर्तों या निविदा जमा करने के संबध में किसी अतिरिक्त स्पष्टीकरण के लिए कृपया आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड से 9920807300 पर अथवा हमारे सेल्स एवं मार्केटिंग पार्टनर नेक्सजेन सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड से सम्पर्क करें।

प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिड्स को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया देखें : https://www.icicihfc.com/

तिथि : 02-06-2024
स्थान : दुर्ग, बिलासपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड